तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 59/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2019

(www.trai.gov.in)

30 जून, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1165.46**	**21.17**	**1186.63**
जून, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	3.60	-0.12	3.48
मासिक वृद्धि दर	0.31%	-0.56%	0.29%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**657.27**	**18.31**	**675.58**
जून, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.00	-0.08	0.93
मासिक वृद्धि दर	0.15%	-0.41%	0.14%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**508.19**	**2.85**	**511.05**
जून, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.60	-0.04	2.56
मासिक वृद्धि दर	0.51%	-1.50%	0.50%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**88.50**	**1.61**	**90.11**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	156.42	4.36	160.78
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	56.68	0.32	56.99
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	56.40%	86.51%	56.93%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	43.60%	13.49%	43.07%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**576.17**	**18.42**	**594.59**

- जून, 2019 के माह में 4.34 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से मई, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 437.15 मिलियन से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 441.49 मिलियन हो गया।

- जून, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 983.80 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- मई, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,183.15 मिलियन से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 1,186.83 हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.29 प्रतिशत दर्ज की गयी। मई, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 670.86 मिलियन से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 674.66 मिलियन हो गई, और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 508.49 मिलियन से बढ़कर 511.05 मिलियन हो गई। जून, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.14 प्रतिशत तथा 0.85 प्रतिशत रही।

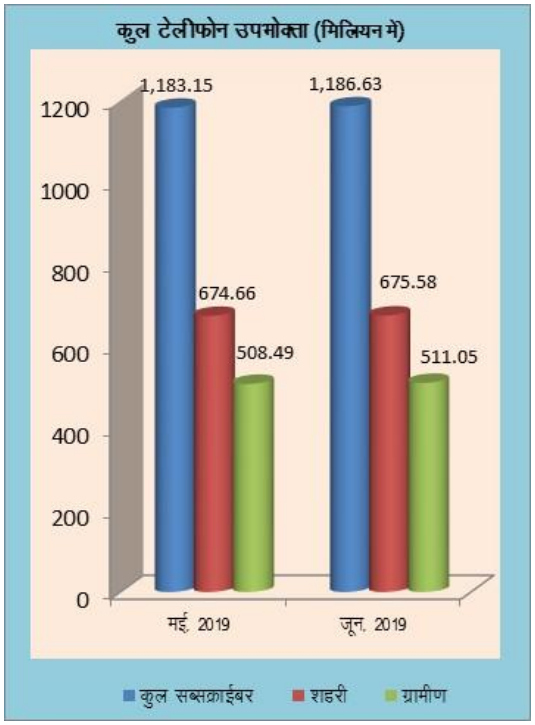

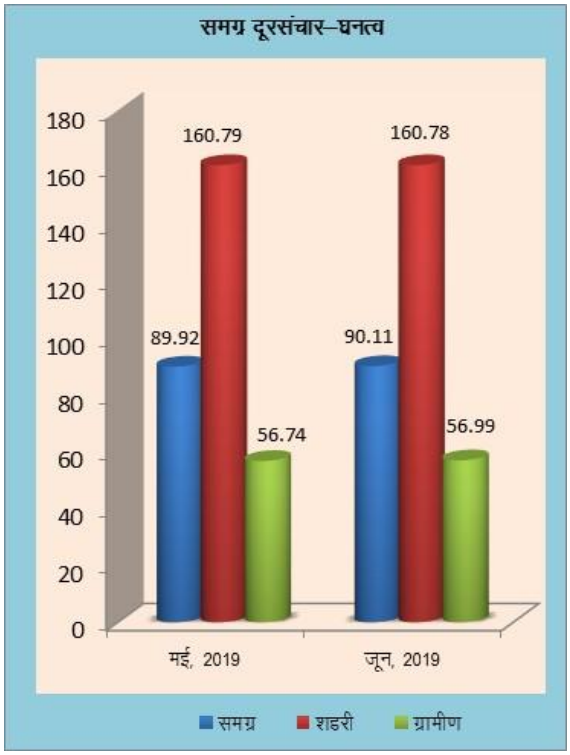

- मई, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 89.92 से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 90.11 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व मई, 2019 के अंत तक 160.79 से मामूली घटकर जून, 2019 के अंत तक 160.78 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व मई, 2019 के अंत तक 56.74 से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 56.99 हो गया। जून, 2019 के अंत तक शहरी और शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.93 प्रतिशत तथा 43.07 प्रतिशत थी।

दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

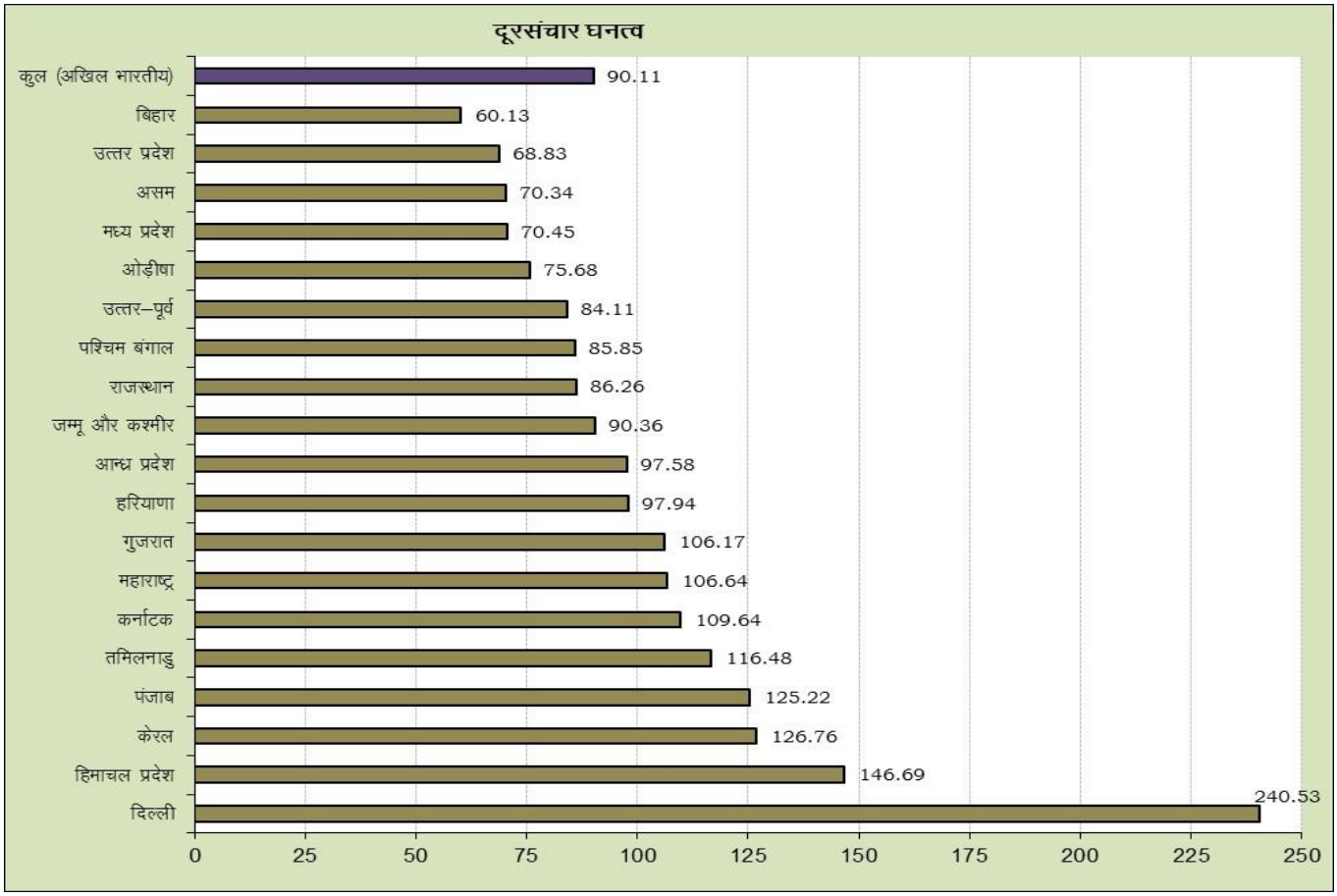

- जून, 2019 के अंत में दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 240.53 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 60.13 रहा।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

जून, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	जून, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-62,270	947,967	8,196,541	398,773,195
श्रेणी – ख	-46,003	1,560,153	5,216,309	473,144,757
श्रेणी – ग	-14,134	656,635	866,725	175,924,695
महानगर	2,792	435,384	6,889,957	117,617,113
अखिल भारतीय	**-119,615**	**3,600,139**	**21,169,532**	**1,165,459,760**

जून, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मई, 2019 से जून, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जून, 2018 से जून, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.75	0.24	-6.97	0.03
श्रेणी – ख	-0.87	0.33	-7.61	1.42
श्रेणी – ग	-1.60	0.37	-13.07	3.37
महानगर	0.04	0.37	-0.75	5.83
अखिल भारतीय	**-0.56**	**0.31**	**-5.47**	**1.65**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि जून, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान श्रेणी 'ख' के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक निबल वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में जून, 2019 माह के दौरान महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- मई, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,161.86 मिलियन से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 1,165.46 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.31 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या मई, 2019 के अंत तक 656.27 मिलियन से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 657.27 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 505.59 मिलियन से बढ़कर 508.19 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.15 प्रतिशत तथा 0.51 प्रतिशत रही।

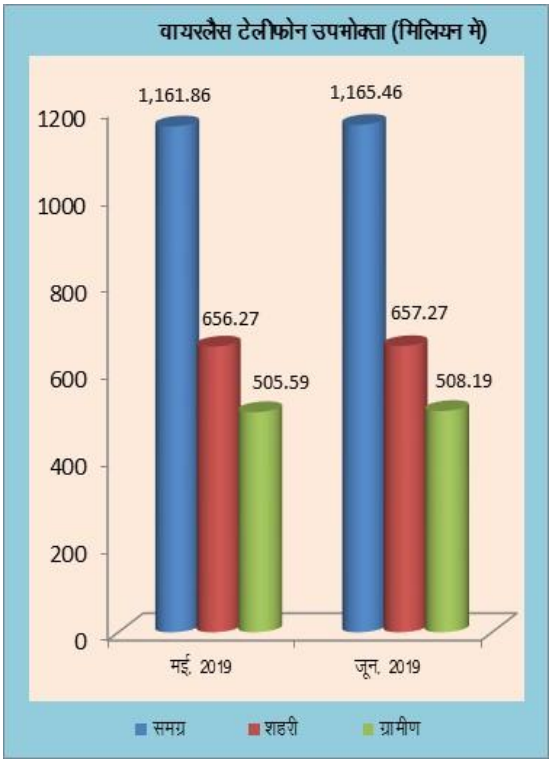

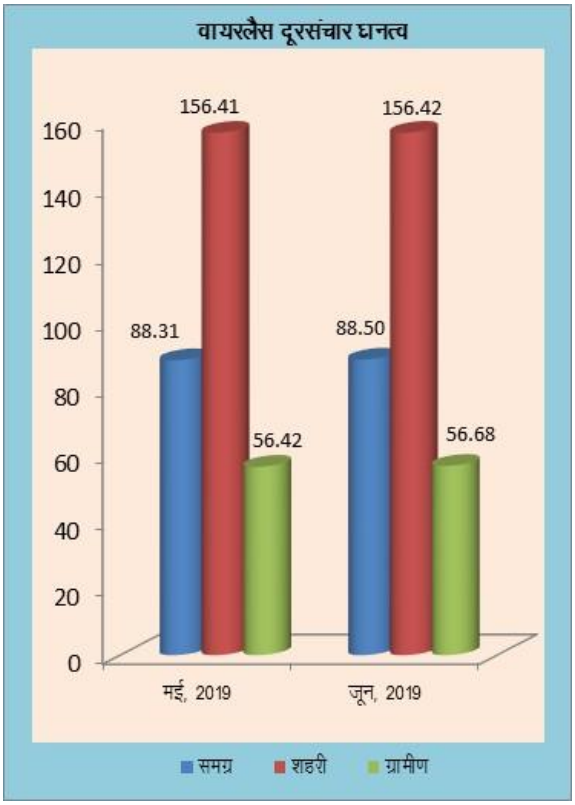

- मई, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 88.31 से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 88.50 हो गया। शहरी क्षेत्रों में मई, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 156.41 से मामूली बढ़कर जून, 2019 के अंत में 156.42 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 56.42 से बढ़कर 56.68 हो गया। जून, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.40 प्रतिशत तथा 43.60 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.73 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.27 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

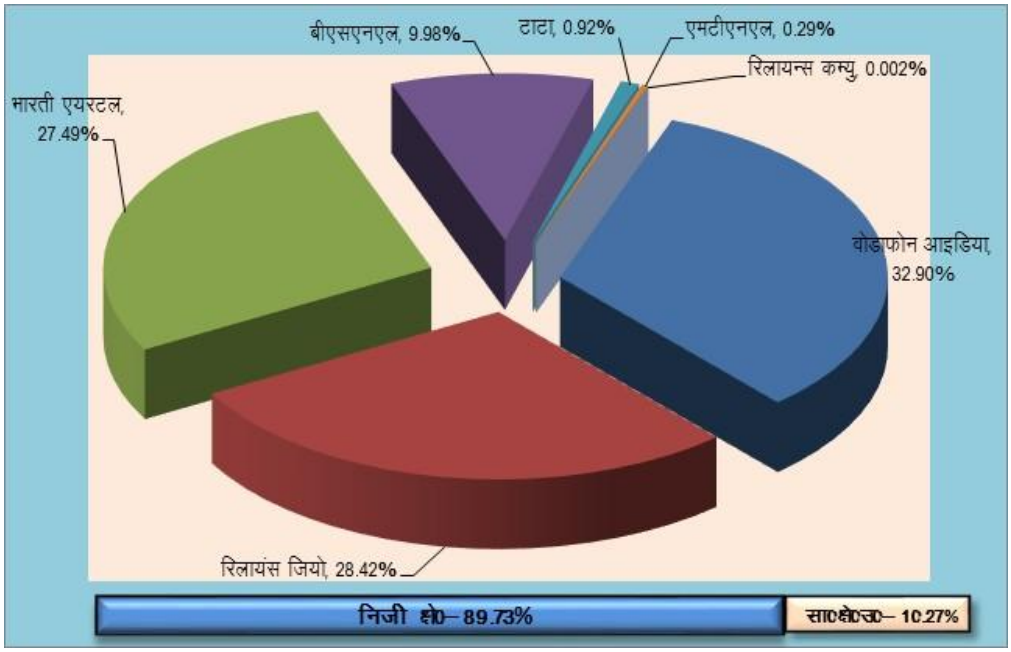

जून, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

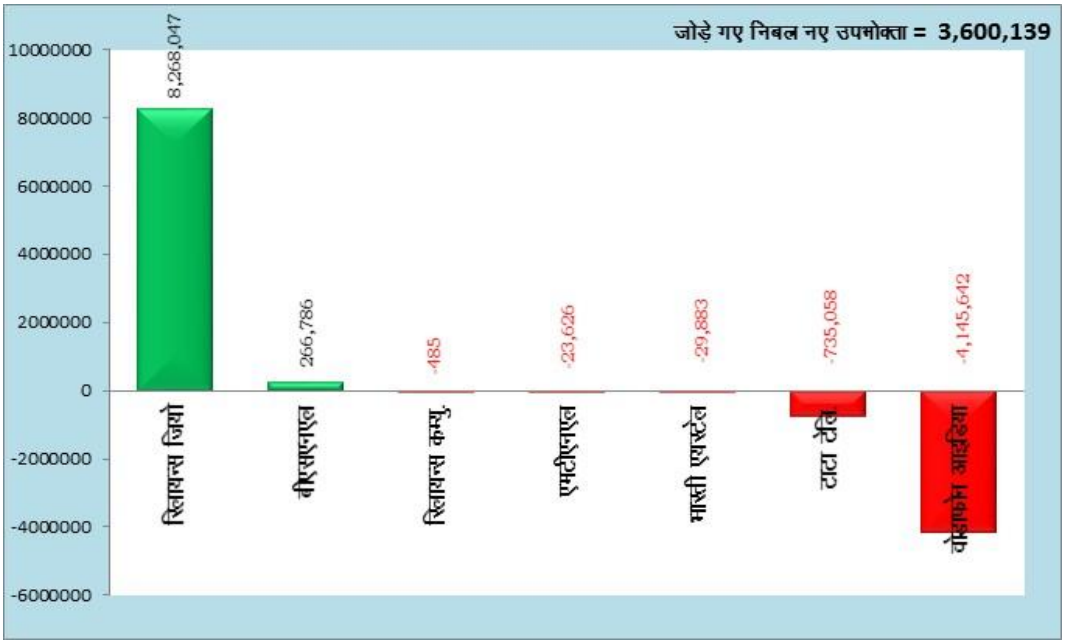

नोट – . बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- जून, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,165.46 मिलियन) में से 983.80 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 84.41 प्रतिशत था।

- जून, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

जून, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

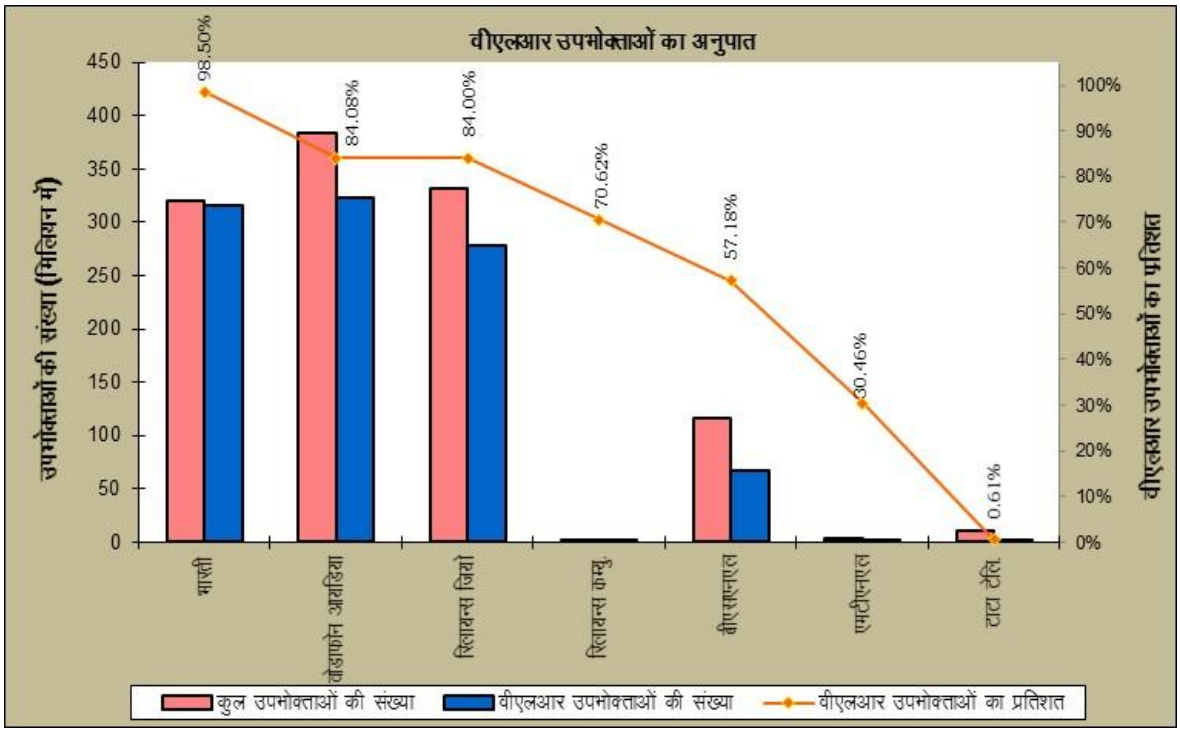

- जून, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 98.50 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

जून, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

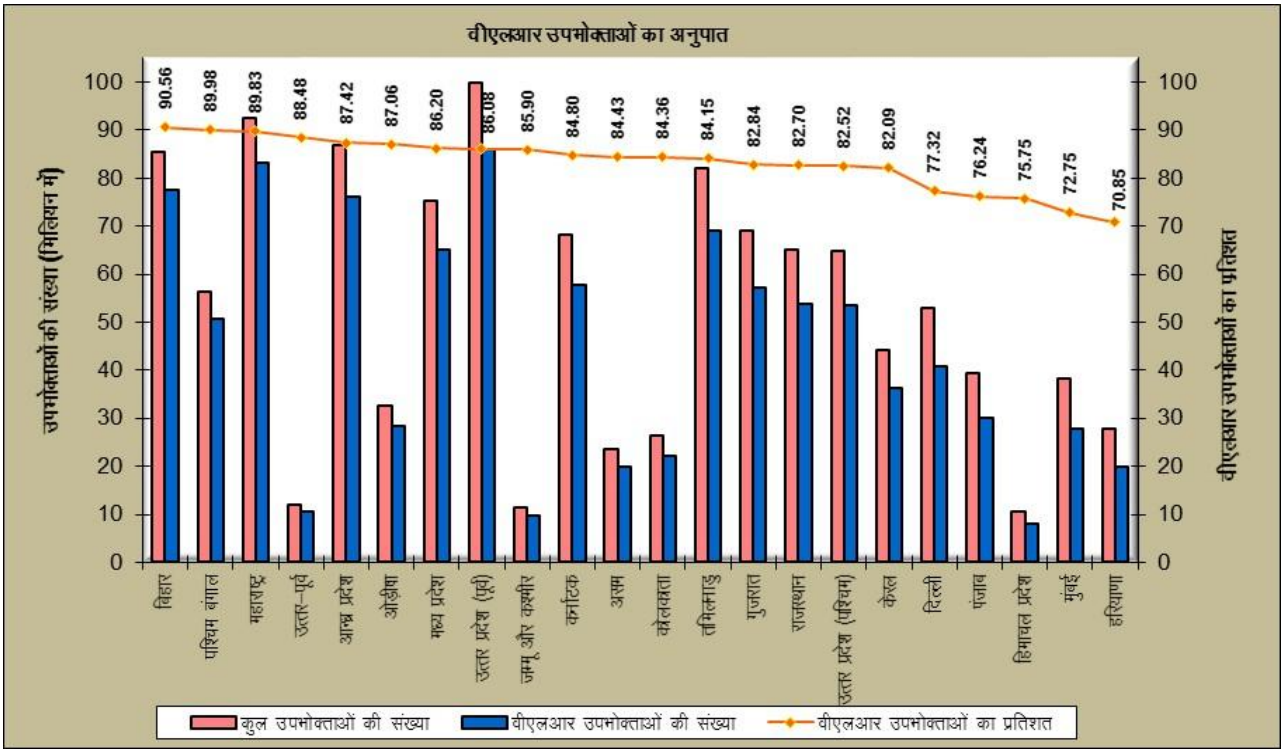

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

जून, 2019 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

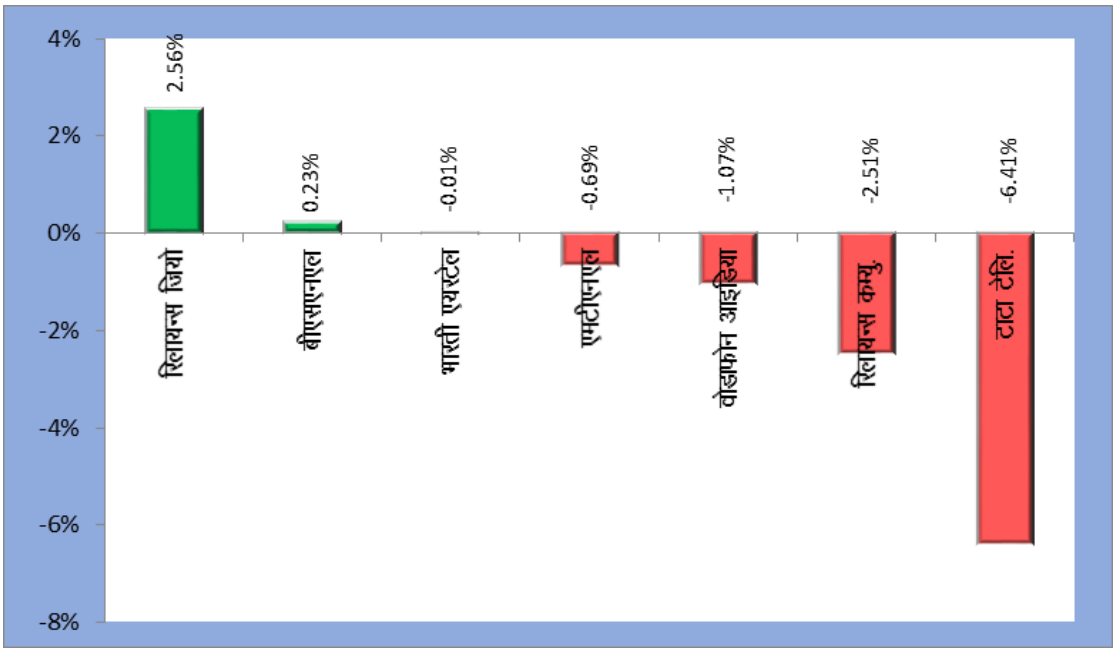

नोट – बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

जून, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

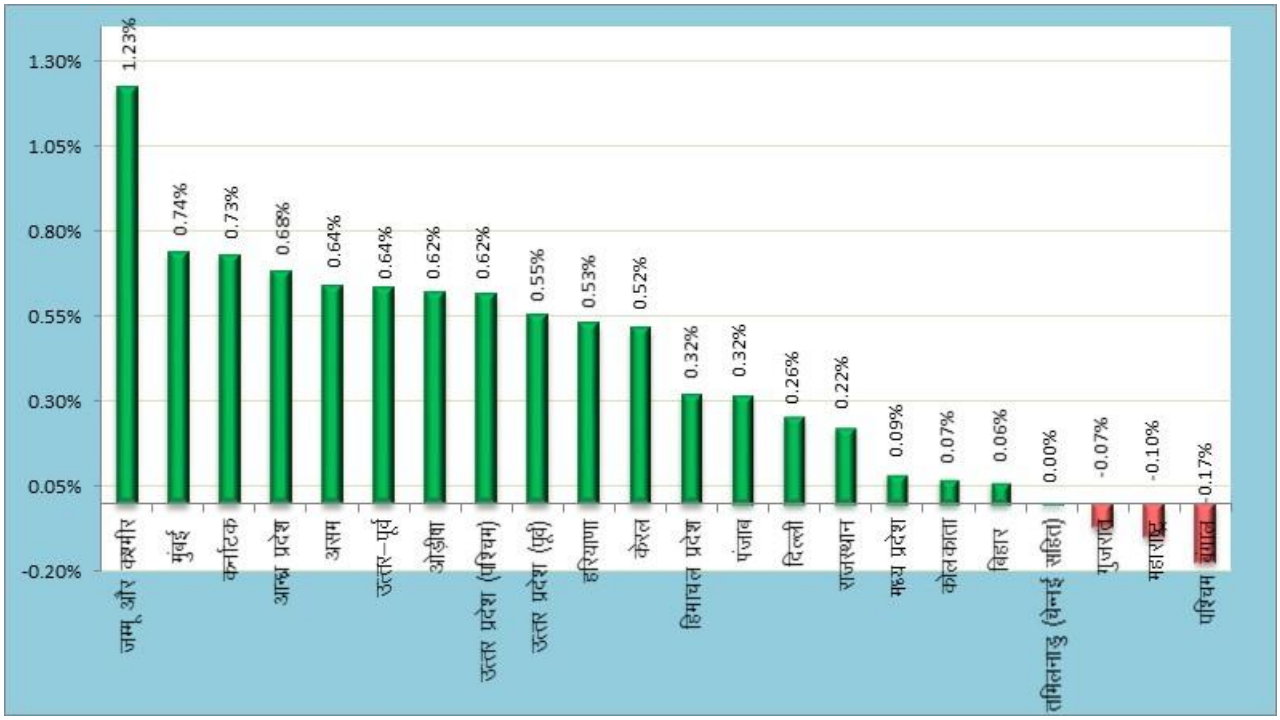

- जून, 2019 माह के दौरान 22 सेवा क्षेत्रों में से तीन सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर्ज की गई। जम्मू एवं कश्मीर सेवा क्षेत्र में अधिकतम मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई जबकि पश्चिम बंगाल सेवा क्षेत्र में अधिकतम ह्रास दर दर्ज की गई है।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- जून, 2019 के माह में कुल 4.34 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 4.34 मिलियन अनुरोधों में से 2.34 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 2.00 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध मई, 2019 के अंत तक 437.15 मिलियन से बढ़कर जून, 2019 के अंत तक 441.49 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 34.98 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 32.50 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 40.77 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 37.31 मिलियन) एवं तमिलनाडु में (लगभग 37.19 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	मई, 2019	जून, 2019		मई, 2019	जून, 2019
दिल्ली	22.54	22.77	आन्ध्र प्रदेश	36.97	37.31
गुजरात	29.11	29.44	असम	3.43	3.45
हरियाणा	15.94	16.09	बिहार	17.55	17.79
हिमाचल प्रदेश	2.13	2.15	कर्नाटक	40.45	40.77
जम्मू और कश्मीर	1.07	1.09	केरल	10.58	10.75
महाराष्ट्र	32.03	32.50	कोलकाता	10.46	10.52
मुंबई	22.37	22.53	मध्य प्रदेश	28.65	28.94
पंजाब	16.87	17.04	उत्तर–पूर्व	1.34	1.35
राजस्थान	34.72	34.98	ओड़ीशा	8.72	8.80
उत्तर प्रदेश–पूर्व	24.01	24.31	तमिलनाडु	36.89	37.19
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	19.41	19.66	पश्चिम बंगाल	21.90	22.04
कुल	**220.22**	**222.56**	कुल	**216.94**	**218.93**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**437.15**	**441.49**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (जून, 2019 माह में)				4.34 मिलियन	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या मई, 2019 के अंत तक 21.29 मिलियन से और घटकर जून, 2019 के अंत तक 21.17 मिलियन हो गया। इस माह में 0.56 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.12 मिलियन की निबल कमी हुई। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- जून, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 86.51 प्रतिशत तथा 13.49 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व मई, 2019 माह के अंत में 1.62 से घटकर जून, 2019 माह के अंत में 1.61 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.36 तथा 0.32 रहा।

- जून, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 65.23 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। जून, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

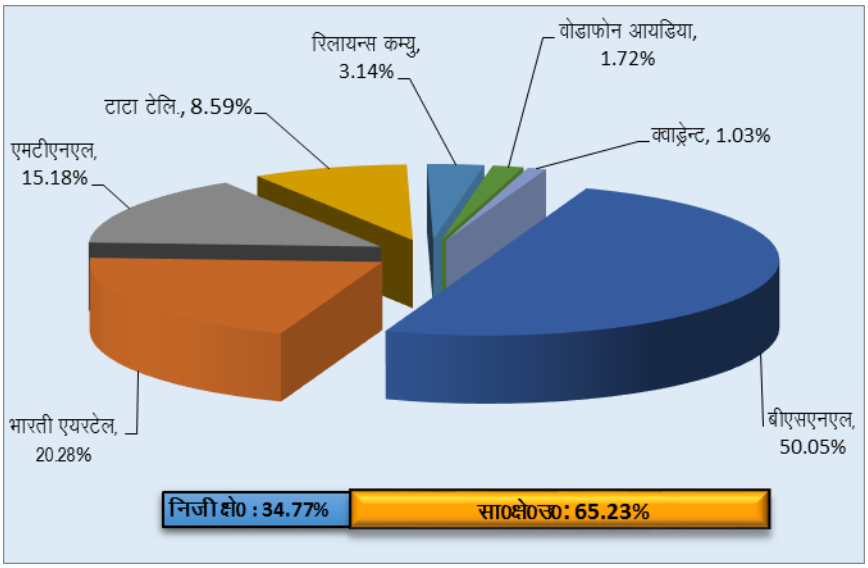

जून, 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

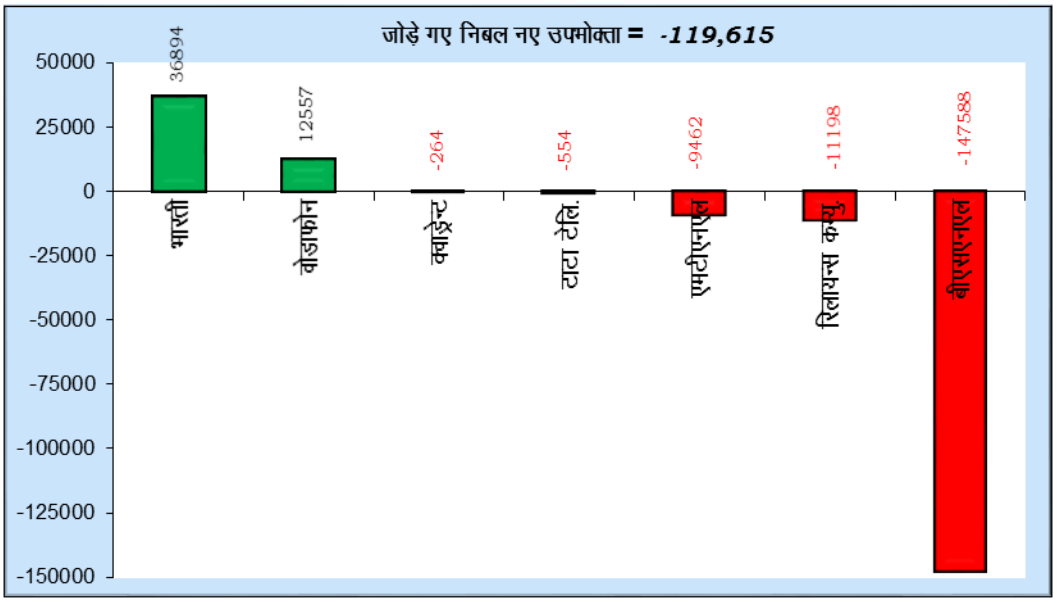

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- जून माह में 324 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, मई, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 581.51 मिलियन से बढ़कर जून, 2019 के अंत में 594.59 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 2.25 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		जून, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.45	18.42	-0.16%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	562.52	575.63	2.33%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.54	0.54	0.00%
कुल	**581.51**	**594.59**	**2.25%**

- जून, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.72 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (331.26 मिलियन), भारती एयरटेल (121.49 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.52 मिलियन), बीएसएनएल (21.93 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.76 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 30.06.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

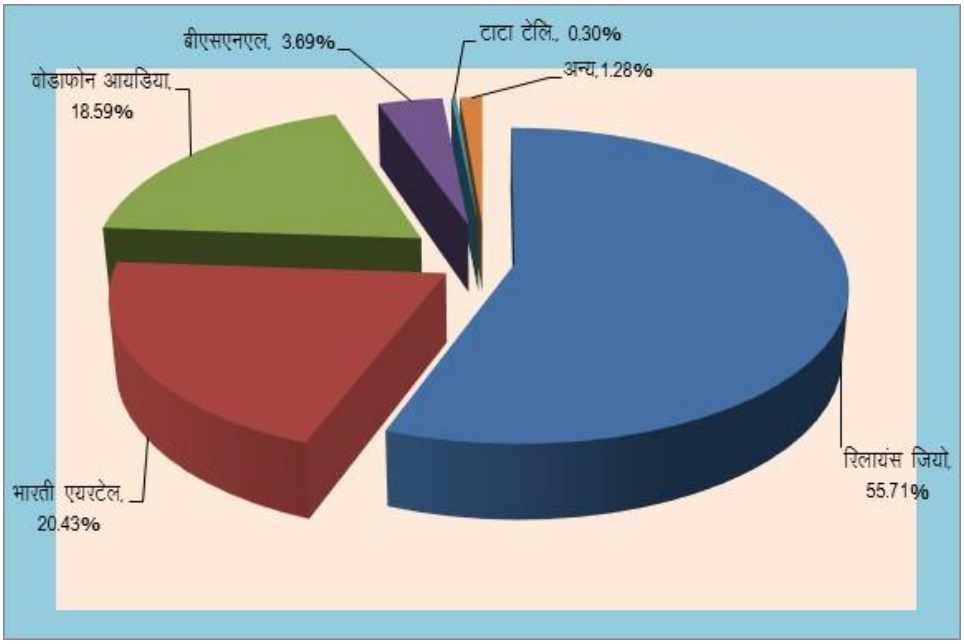

- दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.05 मिलियन), भारती एयरटेल (2.40 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.45 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.84 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.74 मिलियन) थे।

- दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (331.26 मिलियन), भारती एयरटेल (119.09 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.50 मिलियन), बीएसएनएल (12.87 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.40 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																	
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		टाटा टेलि.		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल	
	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019
आन्ध्र प्रदेश	27714365	27865264	2045	2055	21538117	21546770	1113693	1057674	10090124	10086993					25924717	26415879	**86383061**	**86974635**
असम	8228147	8256291			5847108	5724541			2603739	2627522					6715313	6936372	**23394307**	**23544726**
बिहार	36704417	36581493	204	221	20401067	19836397	160956	150191	4690284	4759554					23557154	24241071	**85514082**	**85568927**
दिल्ली	15501614	15480285	2604	2473	19084424	19042181	20	20					2207109	2205188	16025999	16226566	**52821770**	**52956713**
गुजरात	10795246	10821334	542	581	31094343	30758854	447972	411284	6029818	6035935					20608506	20898968	**68976427**	**68926956**
हरियाणा	3884290	3882928	179	182	10496204	10387003	536647	508760	4927066	4982715					7906729	8136927	**27751115**	**27898515**
हिमाचल प्रदेश	3345519	3336699	72	72	1338986	1290579	964	1347	2850927	2866605					2993689	3068725	**10530157**	**10564027**
जम्मू और कश्मीर	5501488	5575369			1164945	1145475			1174065	1188249					3499149	3569571	**11339647**	**11478664**
कर्नाटक	26535307	26717239	1667	1666	14303981	14197272	2079570	1958861	7213922	7213935					17523697	18064488	**67658144**	**68153461**
केरल	5204715	5216404	452	498	20181134	20199999	167426	154633	10907078	10917598					7577299	7777070	**44038104**	**44266202**
कोलकाता	6039082	6009035	34	0	8925949	8792103	697901	658279	1613991	1639440					9003329	9200591	**26280286**	**26299448**
मध्य प्रदेश	14389328	14250639	780	839	28871781	28465545	1148975	1078651	6443731	6400394					24481522	25204518	**75336117**	**75400586**
महाराष्ट्र	14839639	14821509	808	4897	45064239	44465283	880679	815897	7184116	7108632					24733559	25393380	**92703040**	**92609598**
मुंबई	8925469	9098608	4654	0	15053353	14973795	450416	419481					1231056	1209351	12414725	12659717	**38079673**	**38360952**
उत्तर–पूर्व	5203314	5211537			2333501	2287414		0	1445788	1456548					2976541	3079691	**11959144**	**12035190**
ओड़ीशा	12054684	12050968	257	299	4655611	4563459	273934	250289	5747843	5707785					9798394	10160361	**32530723**	**32733161**
पंजाब	9964909	9926077	255	294	10979406	10994036	571145	538027	5436068	5464880					12243425	12397296	**39195208**	**39320610**
राजस्थान	21568720	21388759	390	396	16479114	16224497	50294	45853	6036695	6048835					20875207	21446728	**65010420**	**65155068**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	24826496	24787901	2910	2784	23883853	23497069	878291	811497	12122159	12169578	104041	104720			20286806	20734996	**82104556**	**82108545**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30136237	30075971	768	869	33683802	33500937	1101249	1015730	11627544	11703066					22720001	23523837	**99269601**	**99820410**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	12458412	12422236	62	0	28511989	28434559	906062	853305	5849878	5853201					16746156	17306295	**64472559**	**64869596**
पश्चिम बंगाल	16561960	16576929	675	747	23663966	23083463	8778	10135	1900451	1929929					14375650	14812567	**56511480**	**56413770**
कुल	**320383358**	**320353475**	**19358**	**18873**	**387556873**	**383411231**	**11474972**	**10739914**	**115895287**	**116161394**	**104041**	**104720**	**3438165**	**3414539**	**322987567**	**331255614**	**1161859621**	**1165459760**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-29883		-485		-4145642		-735058		266107		679		-23626		8268047	**0**	**3600139**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*143151329*	*143000085*	*0*	*0*	*200304689*	*199149941*	*1393578*	*1296064*	*36673588*	*36683933*	*0*	*0*	*46129*	*46088*	*124024266*	*128016044*	**505593579**	**508192155**

अनुलग्नक–**II**

जून, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा टेलि.	कुल
आन्ध्र प्रदेश	103.82	66.14	86.93		66.76	82.12	0.65	**87.42**
असम	96.58	57.42	74.61			88.32		**84.43**
बिहार	94.28	59.56	77.17		46.15	102.55	0.02	**90.56**
दिल्ली	89.24		77.88	20.96	99.31	72.95	-	**77.32**
गुजरात	98.20	49.69	87.00		33.91	79.98	0.01	**82.84**
हरियाणा	111.31	36.63	80.14		45.60	65.03	0.50	**70.85**
हिमाचल प्रदेश	98.54	43.41	87.00		55.56	76.47	-	**75.75**
जम्मू और कश्मीर	93.55	68.58	72.46		-	84.02		**85.90**
कर्नाटक	101.04	61.92	83.36		94.96	80.23	0.32	**84.80**
केरल	97.75	66.10	92.38		39.56	68.85	5.17	**82.09**
कोलकाता	108.34	61.57	82.72		-	80.08	4.04	**84.36**
मध्य प्रदेश	101.20	52.15	86.23		48.27	90.01	0.22	**86.20**
महाराष्ट्र	102.27	55.21	89.44		11.09	95.83	0.15	**89.83**
मुंबई	77.48		70.20	47.78	-	77.12	-	**72.75**
उत्तर–पूर्व	97.84	75.75	73.10		-	90.08		**88.48**
ओड़ीशा	95.59	73.30	80.34		21.40	89.84	0.37	**87.06**
पंजाब	100.20	47.74	81.46		31.63	68.28	0.08	**76.24**
राजस्थान	95.85	47.51	83.79		43.94	78.86	0.30	**82.70**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	96.82	69.70	88.16		71.23	76.28	0.82	**84.15**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	105.01	41.85	82.76		42.12	92.30	0.17	**86.08**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	107.60	45.20	83.79		-	79.12	0.14	**82.52**
पश्चिम बंगाल	94.44	91.13	84.31		30.66	93.73	0.71	**89.98**
कुल	**98.50**	**57.18**	**84.08**	**30.46**	**70.62**	**84.00**	**0.61**	**84.41**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया			
	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019	मई, 2019	जून, 2019
आन्ध्र प्रदेश	904091	882330			209347	212945	43647	42141	172679	173592			59670	60820	**1389434**	**1371828**
असम	108515	106661											2940	2970	**111455**	**109631**
बिहार	208772	204211					3184	2957	8476	8428			1800	1950	**222232**	**217546**
दिल्ली			1471685	1466619	1483397	1496226	109546	107370	156851	155335			57150	59040	**3278629**	**3284590**
गुजरात	882568	866711			93777	97329	17499	16648	88073	88408			29040	30940	**1110957**	**1100036**
हरियाणा	203350	202096			23420	23336	2270	2170	35618	36461			210	240	**264868**	**264303**
हिमाचल प्रदेश	106942	106212					2810	1710	1831	1772			30	60	**111613**	**109754**
जम्मू और कश्मीर	101465	101706													**101465**	**101706**
कर्नाटक	987511	978200			694705	702520	118466	114402	270580	272182			51117	53407	**2122379**	**2120711**
केरल	1766137	1750579			62211	62207	15280	14491	18774	18923			3720	3750	**1866122**	**1849950**
कोलकाता	467369	459691			131505	132527	38077	37334	52934	53053			10930	11380	**700815**	**693985**
मध्य प्रदेश	645734	643404			244661	244404	9708	9478	14271	14354			1110	1140	**915484**	**912780**
महाराष्ट्र	1044829	1026765			98871	101564	44431	43420	270599	269841			23241	23777	**1481971**	**1465367**
मुंबई			1752113	1747717	379134	383620	163151	167421	557555	555495			55768	57129	**2907721**	**2911382**
उत्तर–पूर्व	102591	100547											270	270	**102861**	**100817**
ओड़ीषा	218168	214462					2265	2195	8490	8304			2310	2310	**231233**	**227271**
पंजाब	379139	374052			136015	137834	10734	10651	12264	12084	219353	219089	1620	1680	**759125**	**755390**
राजस्थान	428428	423266			56725	57651	19486	18901	11683	11617			12330	12600	**528652**	**524035**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1390337	1375905			553410	551464	65804	64152	123599	124018			20920	23060	**2154070**	**2138599**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	331316	324057			64600	65091	5692	5495	8440	8203			12200	12350	**422248**	**415196**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	257702	254593			24180	24134	3089	3056	4888	4954			4350	4410	**294209**	**291147**
पश्चिम बंगाल	207445	199373					1613	1562	2426	2453			120	120	**211604**	**203508**
कुल	**10742409**	**10594821**	**3223798**	**3214336**	**4255958**	**4292852**	**676752**	**665554**	**1820031**	**1819477**	**219353**	**219089**	**350846**	**363403**	**21289147**	**21169532**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-147588		-9462		36894		-11198		-554		-264		12557		**-119615**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2804486	2762250	0	0	0	0	1349	1319	47976	47829	44298	43325	0	0	**2898109**	**2854723**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————